

17/02/21

2011

00246

प्राणकी वजह से अखिलेश्वर उभय पक्ष
उपलब्ध नहीं। आज एकदम ही अखिलेश्वर
वादीगण एवं वारीगण स्वयं तथा अखिलेश्वर
प्रतिवादीगण एवं प्रतिवादीगण स्वयं उपलब्ध
नहीं। प्राणकी का अखिलेश्वर किण्वण
प्रकार की वर्ष 2013 से साहज्य वारी की लैज
पर विचारकी है। पूर्व से भी उभय
पक्ष के उपलब्ध नहीं होने पर एकदम ही
अखिलेश्वर रिज जा चुके हैं। आज भी उपलब्ध
नहीं। अतः प्रकृत अदम्य हाजरी अदम्य
पूर्व से वारीगण किण्वण जाते हैं। प्राणकी
वारीगण शुभा लोकरन अखिलेश्वर से कम है।



(श्याम सुन्दर विश्णोई)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (राज.)